

अनुक्रमांक .

.. मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

नाम.....

.....

901

801 (AE)

2017

हिन्दी

केवल प्रश्न-पत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 70

निर्देश : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1
- (i) डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी नाटककार के रूप में प्रसिद्ध हैं ।
- (ii) 'अजातशत्रु' के लेखक उदयशंकर भट्ट हैं ।
- (iii) 'शेखर : एक जीवनी' अज्ञेय की कृति है ।
- (iv) राजेन्द्र यादव शुक्ल-युग के प्रसिद्ध कहानीकार हैं ।

801 (AE)

1

P.T.O.

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक रचना के लेखक का नाम लिखिए :

- (i) अथाह सागर 1
- (ii) ठूँठा आम
- (iii) रेती के फूल
- (iv) जनमेजय का नागयज्ञ

- (ग) 'गिरती दीवारें' किस विधा की रचना है ? 1
- (घ) किसी एक एकांकीकार का नाम लिखिए । 1
- (ङ) डायरी-विधा के लेखकों में से किसी एक लेखक का नाम लिखिए । 1

2. (क) घनानन्द किस युग के कवि हैं ? उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए । 2

(ख) नयी कविता के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए । 2

(ग) निम्नलिखित रचनाओं में से किसी एक रचना के रचनाकार का नाम लिखिए : 1

- (i) चिदम्बरा
- (ii) पलाशवन
- (iii) हिमतरंगिणी
- (iv) झरना

801 (AE)

2

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2+2+2=6$

(क) जहाँ बेरहमी है वहीं दया का भी समुद्र उमड़ पड़ा है, जहाँ पाप है वहीं क्षमा का सोता फूट पड़ा है। राजा और कंगले, विलासी और भिक्षु, नर और नारी, मनुष्य और पशु सभी कलाकार के हाथों सिरजते चले गए हैं। हैवान की हैवानी को इन्सान की इन्सानियत से कैसे जीता जा सकता है, कोई अजन्ता में जाकर देखे। बुद्ध का जीवन हजार धाराओं में होकर बहता है। जन्म से लेकर निर्वाण तक उनके जीवन की प्रधान घटनाएँ कुछ ऐसे लिख दी गई हैं कि आँखें अटक जाती हैं, हटने का नाम नहीं लेतीं।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) कलाकारों ने किसके जीवन का चित्रांकन किया है ?

(ख) जहाँ-जहाँ हमारे नैतिक सिद्धान्तों का वर्णन आया है, अहिंसा को ही उनमें मुख्य स्थान दिया गया है। अहिंसा का दूसरा नाम या दूसरा रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा रूप या दूसरा नाम स्वार्थ है, जो प्रायः भोग के रूप में हमारे सामने आता है। पर हमारी सभ्यता ने तो भोग भी त्याग ही से निकाला है और भोग भी त्याग में ही पाया है। श्रुति कहती है - 'तेन त्यक्तेन भुञ्जीथाः'। इसी के द्वारा हम व्यक्ति-व्यक्ति के बीच का विरोध, व्यक्ति और समाज के बीच का विरोध, समाज और समाज के बीच का विरोध, देश और देश के बीच के विरोध को मिटाना चाहते हैं। हमारी नैतिक चेतना इसी तत्त्व से ओत-प्रोत है।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(iii) स्वार्थ के क्या-क्या दुष्परिणाम होते हैं ?

l. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए :
1+4+1=6

(क) ऊधौ मोंहिं ब्रज बिसरत नाहीं ।
बृन्दावन गोकुल वन उपवन,
सघन कुंज की छाँहीं ॥
प्रात समय माता जसुमति अरु
नंद देखि सुख पावत ।
माखन रोटी दह्यौ सजायौ,
अति हित साथ खवावत ॥
गोपी ग्वाल बाल संग खेलत,
सब दिन हँसत सिरात ।
सूरदास धनि-धनि ब्रजवासी,
जिनसौं हित जदु-जात ॥

(ख) जब तक साथ एक भी दम हो,
हो अवशिष्ट एक भी धड़कन ।
रखो आत्म गौरव से ऊँची,
पलकें, ऊँचा सिर, ऊँचा मन ॥
एक बूँद भी रक्त शेष हो,
जब तक तन में हे शत्रुंजय !
दीन वचन मुख से न उचारो,
मानो नहीं मृत्यु का भी भय ॥

801 (AE)

5

P.T.O.

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए और उसकी किसी एक रचना का नाम लिखिए :
2+1=3

- (i) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी
- (ii) रामचन्द्र शुक्ल
- (iii) जयप्रकाश भारती

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उसकी एक रचना का नाम लिखिए :
2+1=3

- (i) केदारनाथ सिंह
- (ii) रसखान
- (iii) माखनलाल चतुर्वेदी

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :
1+3=4

नागरिकः बहुकालं यावत् अचिन्तयत्, परं प्रहेलिकायाः उत्तरम् दातुं समर्थः न अभवत्, अतः ग्रामीणं अवदत्, अहम् अस्याः प्रहेलिकायाः उत्तरम् न जानामि । इदं श्रुत्वा ग्रामीणः अकथयत्, यदि भवान् उत्तरम् न जानाति, तर्हि ददातु दशरूप्यकाणि । अतः प्लानमुखेन नागरिकेण समयानुसारेण दशरूप्यकाणि दत्तानि ।

अथवा

बन्धनम् मरणम् वापि, जयो वापि पराजयः ।
उभयत्र समो वीरः, वीरभावो हि वीरता ॥

801 (AE)

6

7. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1+1=2

(i) प्रतिकशाघातपश्चात् चन्द्रशेखरः किम् अकथयत् ?

(ii) लाभेन किं वर्धते ?

(iii) भारतीया संस्कृतिः कीदृशी वर्तते ?

(iv) खात् उच्चतरं किं अस्ति ?

8. (क) निम्नलिखित में प्रयुक्त रस को पहचानकर लिखिए : <http://www.upboardonline.com> 2

शोक विकल सब रोवहिं रानी ।

रूप राशि बल तेज बखानी ॥

(ख) उत्प्रेक्षा अथवा उपमा अलंकार का लक्षण और उदाहरण दीजिए । 2

(ग) रोला अथवा सोरठा का लक्षण और उदाहरण लिखिए । 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए । 1+1+1=3

(i) अप

(ii) प्र

(iii) अ

(iv) अन्

(v) अधि

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1+1=2

(i) हट

(ii) आई

(iii) वट

(iv) त्व

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 1+1=2

(i) आना-जाना

(ii) कृष्णसर्प

(iii) षट्कोण

(iv) त्रिपुरारि

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के तत्सम रूप लिखिए : 1+1=2

- (i) माटी
- (ii) गधा
- (iii) धीरज
- (iv) कंगन

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1+1=2

- (i) शिव
- (ii) घोड़ा
- (iii) तालाब
- (iv) फूल

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि-विच्छेद कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 1+1=2

- (i) प्रत्येकम्
- (ii) स्वागतम्
- (iii) तथैव
- (iv) महौजः

(ख) निम्नलिखित शब्दों के सप्तमी विभक्ति एकवचन के रूप लिखिए : 1+1=2

- (i) नदी अथवा मधु
- (ii) युष्मद् अथवा तद् (पुंल्लिङ्ग)

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

- (i) हसेयुः
- (ii) पठिष्यति
- (iii) अपचत्

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो के संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

- (i) योग स्वास्थ्य के लिए हितकर है ।
- (ii) बड़ों का सम्मान करो ।
- (iii) बालक सीढ़ी से गिर गया ।
- (iv) लोभ पाप का कारण है ।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

- (i) भारतीय किसान और उसकी समस्याएँ
- (ii) मेरा प्रिय खेल
- (iii) शिक्षा और संस्कार
- (iv) सड़क-दुर्घटनाएँ और उनका निवारण
- (v) संत कबीर दास

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

3

- (क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।
(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्रांकन कीजिए ।
- (ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का कथा-सार लिखिए ।
(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर अशोक के चरित्र का संक्षिप्त वर्णन कीजिए ।
- (ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के पूर्वाभास सर्ग का कथानक लिखिए ।
(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- (घ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के दौलत सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।
(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com

- (ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष का चरित्रांकन कीजिए ।
- (च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।
(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर चन्द्रशेखर आज़ाद की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।
- (छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण के जीवन में घटी प्रमुख घटनाएँ संक्षेप में लिखिए ।
(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्रांकन कीजिए ।
- (ज) (i) 'कर्मवीर भरत' के चतुर्थ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।
(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कौशल्या के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए ।
- (झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'युद्धासन्न सौमित्रि' खण्ड की कथा संक्षेप में लिखिए ।

http://www.upboardonline.com

http://www.upboardonline.com